(ग) क्या यह भी सच है कि गत माहों के दौरान एक प्राक्कलन-दल द्वारा कुछ ऐसी सिफारिशें की गई थी; जिनमें इस संबंध में कुछ सुविधाएं देने का आग्रह किया गया था;

(घ) यदि हां, तो प्राक्कलन-दल ने क्या-क्या सुविधाएं देने की सिफारिश की थी; और

(ङ) इन सिफारिशों पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री संतोष मोहन देव): (क) और (ख) जी हां, गौण इस्पात (विद्युत चाप भट्टी) इकाई से 1990-91 में 38 लाख टन तथा 1993-94 में 27 लाख टन इस्पात का उत्पादन होने की सूचना मिली है।

(ग) से(ङ) हाल ही में सरकार द्वारा नियुक्त मूल्यांकन दल ने विद्युत चाप भट्टी इकाइयों के लिए विभिन्न उपाय सुझाए हैं जिनमें बन्द इकाइयों के आधुनिकीकरण तथा पुनर्संरचना की संभावनाओं, वित्तीय रियायतों, बिजली की सप्लाई आदि के सुझाव शामिल हैं। इनकी जांच की जा रही है।

Modernisation of Iron and Steel Ltd., Bhadravati, Karnataka

2570 SHRI G.Y. KRISHNAN: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether Visvesvaraya Iron and Steel Ltd., Bhadravati (Karnataka) a SAIL outfit is completing the modernisation-cum-expansion programme;

(b) if so, the capital outlay involved therein and broad features of the programme;

(c) whether experts from Norway visited the above steel works recently to complete the modernisation work of ferro silicon furnaces;

(d) whether this work has been taken up; and

(e) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STEEL (SHRI SONTOSH MOHAN DEV): (a) Visvesvaraya Iron and Steel Limited (VISL), a subsidiary of Steel Authority of India Limited, has taken up a number of modernisation schemes including addition, modification and replacements. These schemes are in various stages of completion at present.

(b) The details of capital outlay for major schemes in progress at VISL are as under:

(i)	Installation of 530 Cubic Metre Blast Furnace	: Rs. 49.35 Crores (under revision to Rs. 66.30 crores)
(ii)	Modernisation of Ferro Silicon Furnaces	: Rs. 14.45 Crores.
(iii)	Pollution Control Schemes	: Rs. 8.90 Crores.

A number of schemes have already been implemented at VISL, e.g., Ladle Refining Furnace, Uprating of electric ore furnace, Introduction of Water cooled Panelling in Electric Arc Furnaces in SMS, etc. The outlay given above does not include expenditure on various schemes which have already been completed. The Broad features of the major schemes in progress are as follow:

(i) Installation of 530 Cubic Metre blast furnace

—Useful Volume : 530 Cubic metre
—Hot Blast Temp : 850 degree centigrade
—Expected Hot metal : 600 TPD

Once this furnace comes in operation, it will result in considerable saving in electrical energy as compared to the power intensive Electric Pig Iron furnaces. It will also facilitate in producing certain grades of alloy and special steels through LD-CCM-LRF route.

(ii) Modernisation of Ferro Silicon Unit (12 MVA; 2 furnaces)

The Modernisation of these furnaces will provide a better environment to work in, improve the furnace utilisation and reduce the specific power consumption. The modification will result in more accurate control on quality parameters of the final product. Incorporation of modular electrode system and introduction of Programmable Logic Controls (PLCs) are important features of modernisation scheme.

(iii) Air Pollution Control Schemes

In view of stringent pollution control norms as per Karnataka State Pollution Control Board, VISL has taken up the implementation of pollution control schemes in following areas:
— Ferro Silicon Furnaces (12 MVA; 2 furnaces)
— Electric Arc Furnaces in SMS (2 furnaces)
— Lime Calcination Kilns (2 kilns)

In addition the blast furnace under erection is being equipped with all the necessary facilities to take care of pollution control norms.

(c) M/s ELKEM METALLURGY PVT. LTD., Bombay, the organisation which has been entrusted the job of modernisation of Ferro Silicon Furnaces, had arranged two Norwegian Experts from M/S. ELKEM TECHNOLOGY, Norway, their principals, to oversee the supervision of the erection of one of the ferro silicon furnaces being modernised. These experts have left after completion of the erection work. VISL have also arranged a Norwegian process metallurgist from M/s. ELKEM TECHNOLOGY, Norway to assist in commissioning the modernised furnace.

(d) and (e) First ferro silicon furnace has been commissioned after modernisation. Once it is stabilised, the job of second Ferro Silicon Furnace will be taken up.

लघु इस्पात-संयंत्रों की स्थापना

2571. **श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल:** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) चालू वित्तीय वर्ष के दौरान स्थापित किए जाने वाले लघु इस्पात संयंत्रों का ब्यौरा क्या है और ये संयंत्र कहां-कहां स्थापित किए जाएंगे;

(ख) क्या इस संबंध में कुछ परियोजनाओं से संबद्ध कार्य पहले ही आरंभ हो चुका है; और

(ग) यदि हां, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

इस्पात मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सन्तोष मोहन देव): (क) से (ग) लोहा और इस्पात उद्योग को अनिवार्य लाइसेंसिंग से छूट दे दी गई है। लोहा अथवा इस्पात की इकाई लगाने के इच्छुक उद्यमी को औद्योगिक लाइसेंस के लिए सरकारी मंजूरी की आवश्यकता नहीं है बशर्ते संयंत्र को 1991 की जनगणना के अनुसार 10 लाख से अधिक की आबादी वाले शहरों की मानक शहरी क्षेत्र सीमा के 25 कि.मी. के भीतर स्थापित न किए जाने का प्रस्ताव हो।

सामान्यत: लघु इस्पात संयंत्र का तात्पर्य विद्युत चाप भट्टी प्रक्रिया के माध्यम से तुलनात्मक रूप से कम क्षमता की इस्पात-निर्माण इकाइयों से है।

सरकार के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार चालू वर्ष के दौरान स्थापित की जा रही 5 लाख टन वार्षिक से कम क्षमता की निम्नलिखित 3 विद्युत चाप भट्टी इकाइयां हैं:

कम्पनी का नाम	स्थान और क्षमता (टन वार्षिक)	उत्पादन शुरू होने की सम्भावित तारीख	परियोजना लागत (लाख रु.)	कार्यान्वयन में प्रगति
राजिन्द्र स्टील लिमिटेड	रायपुर, मध्य प्रदेश (1.7 लाख)	अक्तूबर, 94	17550 (विद्युत चाप भट्टी प्रक्रिया पर आधारित एच.आर.क्वायल परियोजना)	भूमि अधिग्रहीत कर ली गई, स्थल विकास कार्य पूरे हो गए। संयंत्र और मशीनरी के जुलाई 94 तक स्थल पर पहुंचने की संभावना है। वाणिज्यिक उत्पादन अक्तूबर, 1994 में शुरू करने की समय-अनुसूची है।
रेमी मैटल (गुजरात)	बरूच गुजरात(1 लाख)	अगस्त, 94	22000 (विद्युत चापभट्टी प्रक्रिया पर आधारित बैलिस्ट उत्पाद)	भूमि अधिग्रहीत कर ली गई, स्थल विकास कार्य पूरे कर लिए गए। भवन तैयार हो गया। आयातित संयंत्र और मशीन स्थल पर पहुंच गए हैं।
लायड स्टील इण्डस्ट्रीज लि.	वर्धा, महाराष्ट्र (एच.आर.: 4 लाख जी.पी. / जी.सी. / सी.आर.सी.ए.: 2.25 लाख)	अक्तूबर, 94 एच.आर. / सी.आर. मिल 1995 में उत्पादन आरम्भ कर देगी।	88500 (विद्युत चापभट्टी प्रक्रिया पर आधारित चपटे उत्पाद)	एच.आर. परियोजना अक्तूबर, 94 तक चालू होगी। (चाप भट्टी मई, 94 में शुरू हो गई है) सी.आर. परियोजना का सिविल कार्य चल रहा है।

दिल्ली में रिजों पर अधिक्रमण

2572. **प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा:** क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) दिल्ली में रिजों की संख्या कितनी है;

(ख) इन रिजों के अधीन कुल कितना क्षेत्र है;

(ग) उक्त क्षेत्र में से कितने क्षेत्र का अधिक्रमण किया गया है;